सीआईएमपी व बीआईआईएफ उद्यमियों के लिए प्रतिबद्ध

विश्व उद्यमिता दिवस पर सीआईएमपी में लिग्नाइट 3.0 आयोजित

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) और बिजनेस इनक्यूबेशन और इनोवेशन फाउंडेशन (बीआईआईएफ) ने बी-हब, मौर्या लोक में लिग्नाइट 3.0 आयोजित किया। कार्यक्रम उद्यमिता की यात्रा में आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर खुलकर चर्चा करने का एक मंच था। सीआईएमपी के निदेशक प्रोफेसर राणा सिंह ने कहा कि आज हमारे उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। कई ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फंड जुटाए हैं। कुछ शार्क टैंक इंडिया पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सीआईएमपी और बीआईएमपी बीआईआईएफ बिहार के उद्यमियों को हर कदम पर समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीआईएमपी में प्रैक्टिस प्रोफेसर और नाबार्ड के पूर्व सीजीएम सुनील कुमार ने कहा कि बिहार अब स्टार्टअप्स के लिए एक हॉटस्पॉट बन रहा है। इसके युवा जनसंख्या की औसत उम्र 28 साल है। मुझे खुशी है कि सीआईएमपी जैसे संस्थान उद्यमिता पाठ्यक्रम प्रदान कर रहे हैं। सरकार और वित्तीय संस्थानों से मजबूत समर्थन मिल रहा है। इससे राज्य में उद्यमिता को काफी बढ़ावा मिलेगा। मुख्य अतिथि आलोक रंजन घोष (निदेशक, उद्योग विभाग, बिहार सरकार) ने कहा कि उद्योग विभाग और सीआईएमपी जैसे संस्थानों की मेहनत की वजह से हम उद्यमिता इंफ्रास्ट्रक्चर में महत्वपूर्ण प्रगति कर चुके हैं। पहले हम अन्य राज्यों से पीछे थे। लेकिन अब हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हम दूसरों की गलतियों से सीख सकते हैं और अधिक प्रभावी तरीके से आगे बढ़ सकते हैं। सुशील शर्मा ने कहा कि सफलता के लिए सही एंजेल निवेशकों, अनुभवी उद्यमियों और साहसिक उद्योगपतियों के साथ संबंध बनाना जरूरी है। सरकारी फंडिंग सीमित समर्थन प्रदान करती है। इसलिए इन प्रमुख खिलाड़ियों के साथ मजबूत संबंध बनाना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा स्टोरीटेलिंग में निपुणता और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आपके ब्रांड को बढ़ावा देने में मदद करता है। अभिषेक सिन्हा ने कहा कि एक उद्यमी के लिए स्थिरता का मतलब पहले अपनी स्थिति को बनाए रखना है। किसी भी चीज को लांच करने से पहले बाजार, लोगों और ग्राहकों को पूरी तरह से समझना बहुत जरूरी है। सुनील कुमार ने कहा कि नौकरी खोजने वालों से नौकरी बनाने वालों की ओर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

■ **उद्योग विभाग और सीआईएमपी जैसे संस्थानों की मेहनत की वजह से हम उद्यमिता इंफ्रास्ट्रक्चर में महत्वपूर्ण प्रगति कर चुके हैं : *आलोक रंजन घोष, निदेशक, उद्योग विभाग***

सुधरशन चक्रवर्ती ने कहा कि स्टार्टअप यात्रा का आनंद लेना महत्वपूर्ण है। अजीत कुमार ने कहा कि तकनीकी ज्ञान की तुलना में जुनून स्टार्टअप्स में सफलता को प्रेरित करता है। हिमानी मिश्रा ने कहा कि असफलता जैसा कुछ नहीं होता। यह या तो सीखने या सफल होने की बात है। सुधांशु कुमार सिंह ने कहा कि हर सफलता की कहानी अद्वितीय होती है। इसे दोहराया नहीं जा सकता। एक सवाल-जवाब सत्र में स्टार्टअप्स ने स्पीकर्स के साथ विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान किया। कुमोद कुमार, सीएओ, सीआईएमपी और सीईओ सीआईएमपी बीआईआईएफ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

Rashtriya Sahara ! Page No - 04 ! Date - 22-08-2024 !

सीआईएमपी पटना: बीहब मौर्या लोक में "ईगनिटी 3.0 का आयोजन

पटना|चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना और सीआईएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन और इनोवेशन फाउंडेशन ने बीहब मौर्या लोक में "ईगनिटी 3.0 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम उद्यमिता की यात्रा में आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर खुलकर चर्चा करने का एक मंच था। सीआईएमपी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राणा सिंह ने कहा कि आज हमारे उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। कई ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फंड जुटाए हैं, और कुछ शार्क टैंक इंडिया पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन सभी को बधाई जो अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। सीआईएमपी बिहार के उद्यमियों को हर कदम पर समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

Dainik Bhaskar ! Page No - 04 ! Date - 22-08-2024 !

स्टार्टअप के लिए बिहार बन रहा हाटस्पाट

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) और बिजनेस इंक्यूबेशन एवं इनोवेशन फाउंडेशन ने मौर्या लोक स्थित बी-हब इग्नाइट 3.0 का आयोजन किया। इसमें उद्यमिता में आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा हुई। सीआइएमपी निदेशक प्रो. राणा सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बी-हब ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फंड जुटाए हैं। शार्क टैंक इंडिया पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। संस्थान राज्य के उद्यमियों को हर कदम पर समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नाबार्ड के पूर्व सीजीएम सुनील कुमार ने कहा कि बिहार अब स्टार्टअप के लिए एक हाटस्पाट बन रहा है।

राज्य में युवा जनसंख्या अधिक है। औसत उम्र 28 साल है। मुख्य अतिथि उद्योग विभाग के निदेशक आलोक रंजन घोष ने कहा कि उद्योग विभाग और सीआइएमपी जैसे संस्थानों की मेहनत से उद्यमिता इंफ्रास्ट्रक्चर में महत्वपूर्ण प्रगति हुआ है। पहले हम अन्य राज्यों से पीछे थे, लेकिन अब हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हम दूसरों की गलतियों से सीख सकते हैं और अधिक प्रभावी तरीके से आगे बढ़ सकते हैं। सुशील शर्मा, अभिषेक सिन्हा, सुधांशु कुमार सिंह, अजीत कुमार, हिमानी मिश्रा आदि ने भी चर्चा में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। धन्यावाद ज्ञापित सीआइएमपी-बीआइआइएफ के सीईओ कुमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Dainik Jagran !
Page No - 06 !
Date - 22-8-2024 !